दिव्यांगों ने व्हीलचेयर पर लगाए चौके-छक्के

ओल्ड कैंपियन मैदान पर इंटरनेशनल व्हीलचेयर क्रिकेट टूर्नामेंट

भोपाल, 8 दिसंबर. ईश्वर कुछ कमी देता है तो उसमें कुछ विशेषता भी देता है, यह देखने को मिल रहा है सोमवार से राजधानी भोपाल के ओल्ड कैंपियन मैदान पर शुरू हुए इंटरनेशनल पुरुष व्हीलचेयर क्रिकेट व राष्ट्रीय अस्थिबाधित महिला टूर्नामेंट में. यह टूर्नामेंट 11 दिसंबर तक चलेगा.

उमंग गौरवदीप वेलफेयर सोसाइटी द्वारा आयोजित उमंग इंटरनेशनल व्हीलचेयर क्रिकेट टूर्नामेंट में दो देश (भारत, श्रीलंका) व अस्थिबाधित महिला चार राज्यों (मध्यप्रदेश, राजस्थान,महाराष्ट्र, झारखंड) टीम हिस्सा ले रही हैं. सोमवार को विधायक भगवानदास सबनानी के मुख्य आतिथ्य, मप्र वक्फ बोर्ड चेयरमैन सनव्वर पटेल,राघवेंद्र शर्मा, श्वेता चौकसे, करण खुराना की उपस्थिति में क्रिकेट टूर्नामेंट का उद्घाटन हुआ. सभी अतिथियों ने दिव्यांग खिलाड़ियों की हौसला अफजाई करते हुए संस्था के आयोजन की सराहना की, जो विगत चार वर्षों से दिव्यांग क्रिकेट करा रही है.

भारत ने श्रीलंका को 37 रन से हराया : भारत व श्रीलंका के बीच हुए उद्घाटन मैच में श्रीलंका ने टॉस जीतकर पहले बैटिंग का निर्णय लिया, श्रीलंका मात्र 37 रन पर ऑल आउट हो गई. भारत ने यह लक्ष्य बिना विकेट खोये दस विकेट से जीत लिया. इस पहले मैच के मैन ऑफ द मैच परशुराम रहे. सामाजिक न्याय एवं दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग की प्रमुख सचिव सोनाली पोंक्षे वायंगणकर ने दिव्यांग खिलाड़ी परशुराम को मैन ऑफ द मैच का पुरस्कार प्रदान किया. इस टूर्नामेंट की विशेषता थी कि भोपाल शहर में प्रथम बार महिला अंपायर ने अंपायरिंग की.

अस्थिबाधित महिला टीम

मध्यप्रदेश व राजस्थान के बीच दूसरा मैच हुआ, जिसमें राजस्थान ने टॉस जीतकर फील्डिंग का निर्णय लेकर मध्यप्रदेश की टीम को बैटिंग के लिए आमंत्रित किया. मध्यप्रदेश ने निर्धारित ओवरों में 76 रन पर दो विकेट खोकर बनाए. राजस्थान निर्धारित ओवर में 68 रन ही बना पाई. मध्यप्रदेश ने यह मैच 8 रनों से जीत लिया. आशा ने 33 रन बनाने के साथ ही एक विकेट भी लिया. वह मैन ऑफ द मैच रही. उमंग की संस्थापक दीप्ति पटवा ने सभी अतिथियों का आभार व्यक्त किया.

लिटिल मिलेनियम को मिला टीचर्स एक्सीलेंस अवॉर्ड

भोपाल, 8 दिसंबर. लिटिल मिलेनियम ई-1 अरेरा कॉलोनी, भोपाल ने टीचर्स एक्सीलेंस अवार्ड्स इंदौर में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए कुल पांच प्रतिष्ठित सम्मान प्राप्त किए. यह उपलब्धि संस्था की समर्पित टीम के कठोर परिश्रम और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के प्रति प्रतिबद्धता को दर्शाती है.

सेंटर ओवरऑल अवॉर्ड और गुरुकुल अवॉर्ड: अभिषेक कोरबू (सीएलओ) को प्रदान किए गए. यह सम्मान उनके नेतृत्व, दूरदृष्टि और शिक्षा क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान का प्रतीक है.

बेस्ट टीचर अवॉर्ड: नाज़िया खान को उनके प्रभावशाली शिक्षण, विद्यार्थियों के साथ सशक्त संवाद और उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए प्रदान किया गया.

एकलव्य अवॉर्ड: शिल्पा लोया और पश्मी गुप्ता को उनके सृजनात्मक कार्य, निरंतर उत्कृष्टता और विद्यार्थियों के प्रति समर्पण के लिए प्रदान किया गया.

कार्यक्रम में डायरेक्टर शोभा कोरबू भी उपस्थित रहीं. उन्होंने सभी पुरस्कार प्राप्त शिक्षकों को प्रोत्साहित किया तथा आगे और भी उत्कृष्ट कार्य करने के लिए शुभकामनाएं दीं.

राष्ट्रभाषा प्रचार समिति

पुरस्कारों के लिए प्रविष्टियां 15 दिसंबर तक आमंत्रित

भोपाल, 8 दिसंबर. मध्यप्रदेश राष्ट्रभाषा प्रचार समिति द्वारा प्रतिवर्ष दिये जाने वाले पुरस्कारों के लिए प्रविष्टियां आमंत्रित की गई हैं. समिति द्वारा नरेश मेहता वाङ्मय सम्मान, शैलेश मटियानी कथा सम्मान, वीरेन्द्र तिवारी रचनात्मक सम्मान, सुरेश शुक्ल 'चन्द्र' नाट्य पुरस्कार,डॉ. प्रभाकर श्रोत्रिय आलोचना सम्मान, संतोष, स्व. संतोष बत्ता पुरस्कार उपुर्यक्त सभी पुरस्कारों के मूल्यांकन में पिछले तीन वर्षों अर्थात् 2021 से 2024 तक प्रकाशित पुस्तकों पर विचार किया जाएगा. प्रविष्टि 15 दिसंबर तक मंत्री संचालक, म.प्र. राष्ट्रभाषा प्रचार समिति, हिन्दी भवन, श्यामला हिल्स, भोपाल-462002 के तथा मोबाइल नंबर 8602767427 पर भेजी जा सकती हैं. विस्तृत जानकारी कार्यालय से प्राप्त की जा सकेगी.

25 आईओसीएल अधिकारी भेल में ले रहे तकनीकी प्रशिक्षण

बीएचईएल संवाददाता

भोपाल, 8 दिसंबर. बीएचईएल, भोपाल में मेसर्स आईओसीएल के अधिकारियों के लिए 'एच.टी. मोटर्स, ट्रांसफॉर्मर्स और स्विचगियर-डिजाइन, मैन्युफैक्चरिंग, टेस्टिंग, इरेक्शन, कमीशनिंग और मेंटेनेंस पहलू' विषय पर पांच दिनी तकनीकी प्रशिक्षण सोमवार को प्रारंभ हुआ.

इसका औपचारिक शुभारंभ महाप्रबंधक (एचआर) टी.यू. सिंह ने आईओसीएल के मुख्य प्रबंधक सुगत मित्तल और अभिषेक खंडेलवाल के साथ किया. प्रशिक्षण में आईओसीएल के 25 अधिकारियों का दल भाग ले रहा है. प्रशिक्षण के लिए बीएचईएल के वरिष्ठ विशेषज्ञ बी.एन. जेना और जीतेंद्र कुमार, दोनों वरिष्ठ प्रबंधक (एएमई), तथा तरुण कुमार कौशिक, प्रबंधक (एचआरडी) संकाय सदस्य के रूप में उपस्थित हैं. इस दौरान सिंह ने आईओसीएल को बीएचईएल का महत्वपूर्ण ग्राहक बताया और अधिकारियों से प्रशिक्षण का लाभ लेने का आग्रह किया. आभार प्रदर्शन उमेश कुमार सावले, प्रबंधक (एचआरडी) द्वारा किया गया.

44 मॉडल्स ने किया रैंप वॉक

फैशन शो : परिधान से भारतीय विवाह परंपरा का प्रदर्शन

भोपाल, 8 दिसंबर. राजधानी के एक होटल में 'ऑरा बाय अनामिका' की ओर से आयोजित फ़ैशन शो में 44 मॉडलों ने भारतीय परिधान का प्रदर्शन किया. शो के सभी चार राउंड विशिष्ट शैली और थीम पर केंद्रित रहे, मुख्य थीम भारतीय विवाह परंपरा रही, जिसमें हल्दी - मेहंदी, शादी से लेकर विदाई तक की हर भावनात्मक अनुभूति को वस्त्रों के माध्यम से प्रस्तुत किया गया.

शो की होस्ट अनामिका सिंह ने बताया कि प्रत्येक राउंड को वास्तविक विवाह संस्कार के अनुरूप तैयार किया गया, ताकि दर्शक पारंपरिक अवसरों के भावचित्र को जीवंत महसूस कर सकें. हल्दी समारोह के लिए चमकदार पीले परिधान और फूलों से सुसज्जित आभूषणों का सौंदर्य मॉडलों ने प्रस्तुत किया.

आभूषणों का संयोजन दर्शाया

शादी राउंड में ज़री, स्वर्ण धागाई, लहंगे और शेरवानियों की शान देखने लायक रही. दुल्हन थीम पर आधारित पहनावे में ब्राइडल क्राउन, मोती-आधारित हार, भारी घाघरे और हाथ के जड़ाऊ कंगन ने पारंपरिक वैभव का आभास कराया. विदाई थीम भावुकता प्रधान रही, जिसमें सादगी से रंगी शेड्स, पतले दुपट्टे और सौम्य आभूषणों का संयोजन दर्शाया गया. शो की कोरियोग्राफी अवनीत सिंह थीं. इस अवसर पर अतिथि बतौर महापौर मालती राय, विभा पटेल, प्रीति पटेल व अन्य गणमान्य नागरिक मौजूद थे.

लोक संस्कृति से जुड़ाव | नूतन कालेज में सात दिनी गोंडी नृत्य कार्यशाला की शुरुआत

छात्राओं को सिखाए गोंडी नृत्य के भाव और मुद्राएं

नवभारत प्रतिनिधि

भोपाल, 8 दिसंबर. सरोजिनी नायडू शासकीय कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय में सोमवार से सात दिवसीय गोंडी नृत्य कार्यशाला शुरू हुई. कार्यशाला के पहले दिन ही छात्राओं में इस पारंपरिक नृत्य शैली को सीखने का उत्साह साफ नजर आया. आयोजन लोककला और बोली विकास अकादमी भोपाल और महाविद्यालय के संयुक्त सहयोग से किया गया.

इस अवसर पर गोंड समुदाय के वरिष्ठ कलाकारों ने प्रतिभागियों को नृत्य की मूल मुद्राएं सिखाईं. उन्होंने छात्राओं को हर नृत्य भाव लोककथा और सामुदायिक पहचान को समझाया. कलाकारों ने परंपरागत वाद्ययंत्रों और पहनावे की महत्ता पर भी जानकारी दी. इस अवसर पर छात्राओं को बताया गया कि जनजातीय नृत्य केवल प्रदर्शन नहीं, बल्कि अपनी जड़ों से जुड़ने का माध्यम भी है. महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ दीप्ति श्रीवास्तव ने कहा कि जनजातीय नृत्य हमारी सांस्कृतिक पूंजी है. इसे सीखकर छात्राएं एक नई कला में दक्ष हो सकती हैं.